प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग

एवं

केन्द्रीय पुस्तकालय

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज- **211 010**

राष्ट्रीय संगोष्ठी

मुख्य विषय

"क्षेत्रीय इतिहास लेखन के निर्माण में चुनौतियाँ, समस्यायें एवं समाधान"

एवं

"इतिहास लेखन के निर्माण में पुस्तकालयों की उपादेयता"

संयुक्त तत्वावधान में

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

एवं

राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, कोलकाता

एवं

भारतीय इतिहास संकलन समिति, काशी, उ. प्र.

(29th एवं 30th मार्च, 2022)

महोदय/महोदया,

आपको यह सूचित करते हुए हमें अपार प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग एवं केन्द्रीय पुस्तकालय, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज संयुक्त रूप से , भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, कोलकाता तथा भारतीय इतिहास संकलन समिति, काशी, उ.प्र. के संयुक्त तत्वावधान में **"क्षेत्रीय इतिहास लेखन के निर्माण में चुनौतियाँ, समस्यायें एवं समाधान"** तथा **"इतिहास लेखन के निर्माण में पुस्तकालयों की उपादेयता"** विषय पर **29th** एवं **30th** मार्च, **2022** को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है।

पंजीकरण शुल्क (शिक्षक/सामान्य)	Rs. 700/-
पंजीकरण शुल्क (शोध विद्यार्थी)	Rs. 500/-
पंजीकरण शुल्क (परास्नातक विद्यार्थी)	Rs. 300/-
पंजीकरण शुल्क (जिनको आवासीय सुविधा चाहिए)	Rs. 1200/- प्रति व्यक्ति (पूर्व सूचना पर)

राष्ट्रीय संगोष्ठी हेतु पंजीकरण 27th जनवरी, 2022 से प्रारम्भ होगा। पंजीकरण मात्र ऑनलाइन (गूगल फॉर्म) के माध्यम से करना होगा। पंजीकरण की अन्तिम तिथि 15th मार्च, 2022 है। सभी प्रतिभागी दिनांक 28th फ़रवरी, 2022 तक सारांश (Abstract) राष्ट्रीय संगोष्ठी के ई-मेल seminar@prsuniv.ac.in में अवश्य भेज दें, उक्त तिथि के पश्चात प्राप्त सारांश को सारांश पुस्तिका में सम्मिलित नहीं किया जायेगा इसके साथ ही शोध पत्र भी उपर्युक्त ई-मेल में 05th मार्च, 2022 तक अवश्य भेज दें। सारांश एवं शोध पत्र केवल हिन्दी में मंगल फॉण्ट, 11, सिंगल स्पेस एवं अंग्रेजी में Times New Roman 12pt. single space भेजने की कृपा करें। सारांश अधिकतम 200 शब्दों में तथा शोध पत्र अधिकतम 3500 शब्दों में होने चाहिए। प्रतिभागियों की सुविधा हेतु तत्काल पंजीकरण 29th मार्च, 2022 को प्रातः 9:00 बजे से प्रातः 9:30 का आयोजन स्थल पर होगा।

पंजीकरण शुल्क ऑनलाइन (NEFT/IMPS/UPI) माध्यम से विभागाध्यक्ष के बैंक खाते (**Head, Department of Ancient History, Indian Bank a/c No. 7027959874 and IFS Code IDIB000C629**, सिविल लाइन शाखा, इलाहाबाद) में जमा करते हुए उसकी रसीद की एक प्रति गूगल फॉर्म भरते समय अपलोड करें।

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ			गूगल फॉर्म लिंक
पंजीकरण प्रारम्भ	:	27th जनवरी, 2022	Click or Copy below google link for Registration https://forms.gle/fxp3HvKFdBEL9KCR9
पंजीकरण अन्तिम तिथि	:	15th मार्च, 2022	
Abstract अन्तिम तिथि	:	28th फ़रवरी, 2022	
शोध पत्र अन्तिम तिथि	:	05th मार्च, 2022	

प्रस्तावना :

इतिहास लेखन का सारतत्व और दृष्टिकोण सामाजिक सन्दर्भ से तय होता है। भारतीय इतिहास के लेखक विभिन्न प्रकार की विचारधारा अपनाए हुए हैं : औपनिवेशिक, राष्ट्रीय, भौतिकवादी और साम्प्रदायिक। आधुनिक काल में भारत में इतिहास–लेखन का कार्य ब्रिटिश शासन के अन्तर्गत आरम्भ हुआ। शासकों और प्रशासकों के समान ब्रिटिश इतिहासकार भी भारत में औपनिवेशिक शासन बरकरार रखने में दिलचस्पी रखते थे। 19वीं सदी में मैक्स मूलर तथा अन्य भारतविदों ने दो निष्कर्ष प्रसारित किए। पहला भारतीयों की प्राथमिक चिन्ता आध्यात्मिक विश्व है। दूसरा, भारतीयों को निरंकुश शासन की आदत हो गयी है। प्रथम विचार का अर्थ था कि चूंकि भारतीयों को पारलौकिक विश्व में दिलचस्पी है इसलिए भारत की दैनिक आवश्यकताओं का ध्यान अंग्रेज रखेंगे। दूसरा, चूंकि भारतीयों पर हमेशा ही निरंकुशों ने शासन किया है इसलिए अंग्रेज वायसराय पुरानी परम्परा जारी रखेंगे और मनमाना प्रशासन करेंगे।

क्या भारतीयों के पास अपने प्राचीन इतिहास का विधिवत् लिखित, वैज्ञानिक पद्धति का कोई प्राचीन ग्रंथ है? क्या प्राचीन भारतीयों को आधुनिक इतिहास विधा का कोई ज्ञान था? ऐसा क्यों है कि भारतीयों के पास अपने प्राचीन इतिहास के संगठन हेतु स्रोत ग्रंथ तो अनेकानेक है, किन्तु उनका कोई आधुनिक पद्धति का ग्रंथ लेखन जैसा कोई प्रयत्न कभी हुआ हो, ऐसा दिखायी ही नही देता। आधुनिक काल में जब से भारतीय इतिहास लेखन संबंधी उपक्रम प्रारंभ हुए, तभी से ये प्रश्न उठाये जाते रहे हैं। अपवाद के रूप में कल्हणकृत राजतरंगिणी मात्र का उल्लेख किया जाता है। उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर हां, में भी है और 'नहीं' में भी है। वास्तव में एक ओर भारतीय और दूसरी ओर अरब–चीनी पाश्चात्य इतिहास विषयक कल्पनाओं अथवा अवधारणाओं में ही एक मूलभूत अन्तर रहा है। आधुनिक इतिहास लेखन के उद्गम स्थल अरब, चीन और यूनान, रोम में थे, जो कालक्रम और घटनाओं के पूर्वापर क्रम सहित कार्य–कारण संबंधों को ढूँढते हैं। इनकी वास्तविक रीढ़ राजनीतिक और सैनिक घटनाओं से बनी होती है।

मुख्य–विषय :

- **क्षेत्रीय इतिहास लेखन के निर्माण में चुनौतियाँ, समस्यायें एवं समाधान।**

उप–विषय :

- भारतीय इतिहास लेखन दृष्टि एवं इतिहास बोध।
- इतिहास लेखन के निर्माण में राष्ट्रीय इतिहासविदों का योगदान।
- आधुनिक इतिहास लेखन एवं राष्ट्रीय तथा स्वाधीनता के नये आयाम एवं राष्ट्रीय इतिहासकारों के लेखन का अवदान।
- इतिहास लेखन चुनौतियाँ, समस्यायें एवं समाधान।
- इतिहास लेखन से समाज निर्माण में ऐतिहासिक तथ्यों का अवलोकन।
- भारतीय इतिहास लेखन में दर्शन की भूमिका एवं इतिहास दर्शन।
- जनजातीय इतिहास लेखन।
- इतिहास के पुनर्निर्माण में क्षेत्रीय इतिहास लेखन की भूमिका।
- कला, पुरातत्त्व एवं संस्कृतितथा अन्य अन्तः अनुशासनात्मक विषय।

मुख्य–विषय :

- **इतिहास लेखन के निर्माण में पुस्तकालयों की उपादेयता।**

उप–विषय :

- प्राचीन काल में लेखन की समस्या एवं धार्मिक एवं लौकिक साहित्य के स्वरूप के सन्दर्भ में।
- मध्य कालीन इतिहास लेखन एवं पुनर्जागरण काल तथा पुस्तकालयों का अवदान।
- आधुनिक इतिहास लेखन राष्ट्रीय तथा स्वाधीनता संग्राम के नए आयाम पुस्तकालयों के योगदान के सन्दर्भ में।
- इतिहास लेखन के निर्माण में विश्वविद्यालय स्तर पर पुस्तकालयों की भूमिका।
- इतिहास लेखन चुनौतियाँ, समस्याएं एवं समाधान में पुस्तकालयों की उपादेयता।
- अन्तः अनुशासनात्मक विषय।
- अन्य सम्बन्धित विषय।

आयोजक	**प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग एवं केन्द्रीय पुस्तकालय, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज**
कार्यक्रम स्थल	**प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, मिर्ज़ापुर रोड, नैनी, प्रयागराज- 211010**
संयोजक	**डॉ. प्रशान्त सिंह** Phone/Mobile Nos.: 0-9415080510, E-mail ID: ps.phdlu@gmail.com
सह-संयोजक	**डॉ. मनोज कुमार वर्मा** Phone/Mobile Nos.: 0-9415302861, E-mail ID: manojverma@prsuniv.ac.in
सचिव	**डॉ. जितेन्द्र सिंह नौलखा** Phone/Mobile Nos. 0-8840575940, E-mail ID: dr.naulakha@rediffmail.com
अध्यक्ष	**प्रो. राज कुमार गुप्त** Phone/Mobile Nos.: 0-7398871265, E-mail ID: prof.rkguptaasu@gmail.com

सभी प्रतिभागियों को वापस जाने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी, विश्वविद्यालय इसमें कोई सहयोग नहीं करेगा। चयनित शोध पत्रों का ISBN के साथ प्रकाशन (सेमिनार प्रोसीडिंग) भी किया जायेगा। प्रकाशन से सम्बन्धित सूचना संगोष्ठी के उपरान्त पृथक से प्रेषित की जाएगी।

नोट : इस संगोष्ठी के समस्त आयोजन उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा निर्देशित कोविड-19 प्रोटोकॉल के अन्तर्गत किये जायेंगे। सभी प्रतिभागियों से निवेदन है कि वे वैक्सीनेशन अवश्य करा लें।

हम इस संगोष्ठी में आपकी भागीदारी की आशा करते हैं।

शुभकामनाएं!

आपका आकांक्षी,

(डॉ. जितेन्द्र सिंह नौलखा)
सचिव

(डॉ. प्रशान्त सिंह)
संयोजक